

दोस्ती में फुद्दी चुदाई-6

“दोस्तो, मैं समर एक बार फिर से आपके लिए एक और मस्त सत्य घटना लेकर हाजिर हूँ। मेरी पिछली कहानियाँ पढ़ कर आपके लौड़ों को जरूर चूत की चाहत हुई... [\[Continue Reading\]](#) ...”

Story By: (samar-partap-singh)

Posted: Monday, February 9th, 2015

Categories: [जवान लड़की](#)

Online version: [दोस्ती में फुद्दी चुदाई-6](#)

दोस्ती में फुद्दी चुदाई-6

दोस्तो, मैं समर एक बार फिर से आपके लिए एक और मस्त सत्य घटना लेकर हाजिर हूँ।

मेरी पिछली कहानियाँ पढ़ कर आपके लौड़ों को जरूर चूत की चाहत हुई होगी और चूतों ने पानी एक बार नहीं कई बार छोड़ा होगा।

आपकी ईमेल्स के लिए धन्यवाद.. आइए चलते हैं एक और चुदाई के सफ़र पर...

साक्षी की चुदाई साथ में अपनी गर्लफ्रेंड की बैंड बजाना.. मेघा से भी आते-जाते लौड़ा चुसवाना.. फिर उसकी गरम चूत को ठंडा करना..

इस तरह लाइफ़ सैट हो गई थी.. और मैं भी तो यही चाहता था।

एक साल पहले तक अपना हाथ जगन्नाथ से आज ये लौड़ा तीन-तीन चूतों का मालिक था।

ये तीन वफ़ादार चूतें तो थी हीं.. इनके अलावा भी मेरे लौड़े को कमी नहीं थी।

कहते हैं ना.. भगवान जब देता है तो छप्पर फाड़ के देता है।

इन्हीं सबके बीच मेरी बेबाकी और मेरा स्वभाव काफी लड़कियों को मेरी तरफ खींचता। जो एक साल पहले तक मेरे खिलाफ थीं उन्होंने भी अब मुझसे हाथ मिला लिया था.. मैं पक्का चोदू बन चुका था।

यह बात दूसरे साल के बीच की है.. आइए कहानी की तरफ चलते हैं।

मेरे साथ बस में एमबीए की दो कटीली लड़कियाँ जाती थीं.. रुचि और अंकिता।

रूचि का रंग थोड़ा दबा हुआ था और देखने में भी कुछ खास नहीं थी लेकिन उसके मम्ममे ऐसे थे कि उसकी टीशर्ट फाड़ कर बाहर आ जाएं.. उसकी पतली कमर.. सुडौल उठी हुई गाण्ड.. फिगर जैसे 36-28-36 का..

बस बेचारी अपने चेहरे के रंग से मात खा जाती थी ।

वैसे उसके तेवर भी कुछ ऐसे थे कि वो मिस इंडिया हो ।

दूसरी तरफ अंकिता.. एक कमीनेपन से भरी चालू लड़की थी.. गोरी रंगत, गुलाबी होंठ.. लंबे लहराते बाल.. सधी हुई चाल.. फिगर 34-26-32...

कॉलेज के ज्यादातर सीनियर अंकिता पर लाइन मार चुके थे ।

एक बार तो मैंने खुद उससे पूछा- तू खाली है तो आ जा...

जिसका जवाब उसने मुस्करा कर दिया था...

रूचि बिल्कुल अंकिता की परछाई बन कर रहती थी.. ना किसी से बात करना ना किसी को भाव देना.. वैसे उसे कोई पूछे.. ऐसी गलती कोई करता नहीं था ।

अंकिता बाहर तो चुदती ही.. कॉलेज में भी उसकी खोज जारी थी कि कोई आसान सा शिकार मिले और उसे एक चूतिया मिल भी गया ।

मेरी बस में जाने वाले आशीष सर.. आशीष बी.फार्मा. के तीसरे साल में था लड़कियों में बदनाम था..

वो उनको कुछ दिनों तक चोद कर छोड़ दिया करता ।

अंकिता को ऐसा ही लड़का चाहिए था जो उसको जम कर चोदे और ज्यादा मच-मच भी

ना करे।

कुछ ही दिनों में बस का माहौल बदल गया था.. जहाँ मैं मेघा से चिपक कर बैठता.. वहीं रूचि और अंकिता के बीच में आशीष बैठने लगा..

जैसे दोनों हाथों में लड्डू होते हैं उसी तरह आशीष के दोनों हाथों में चूचियाँ भरी होती थीं।

अंकिता की चूचियाँ दबाते-दबाते रूचि की मजेदार चूचियों पर भी आशीष हाथ मार ही देता...

रूचि भी मुस्करा कर जवाब देती।

यह सब मेरी बगल की सीट पर ही होता रहता.. तो मेरा लण्ड भी खड़ा होकर सलामी देने लगता।

मेघा और मैं ये सब देखा करते और मेघा के बैग के नीचे मैं अपना लण्ड मेघा को पकड़ा देता.. जब तक कॉलेज आता मेघा मसल-मसल कर मेरे लण्ड का पानी निकाल देती।

कुछ महीनों बाद..

जब मेघा उतर जाती और बस भी लगभग खाली हो जाती तो मैं रूचि के बगल में आकर बैठ जाता ताकि अंकिता की बातें जान सकूँ, लेकिन मुझे अच्छी तरह से पता था कि रूचि एक नंबर की चुप्पा है.. उससे बात करना मतलब मैस के आगे बीन बजाना.. और ऊपर से वो सेक्सी मैस थी और इतराएगी।

तो मैंने उसकी तारीफ करना चालू किया और बात बन गई।

धीरे-धीरे वो मुझसे खुलने लगी और अब तो खुद ही मेरे पास आके बैठ जाती।

उसकी बातों से पता चला कि कॉलेज उसे पसंद नहीं आया और वो इसे छोड़ देगी।

मैंने कहा- बिना कोर्स पूरा किए ?

तो उसका जवाब था- हाँ.. यहाँ के लोग मतलबी और लालची हैं।

मैंने कहा- आज की दुनिया में मतलबी कौन नहीं है।

बोली- तुम नहीं हो।

मैंने पूछा- अंकिता भी तो है तेरी सपोर्ट में ?

रूचि बोली- वो चुड़ैल है.. नागिन जैसे डसती है ना.. वैसे ही डस लेती है.. वो अभी आशीष को चोद रही है.. बाहर उसका मंगेतर है, उससे चुदती है फिर और भी कई हैं जिनको दिन के हिसाब से बुलाकर चुदती है।

मैंने पूछा- वाक़यी में आशीष को चोद रही है ?

रूचि- और क्या.. मुझे ही तो अपने साथ आशीष के घर ले जाती है.. उसमें तो शर्म भी नहीं है.. वहीं कपड़े उतारते हुए आशीष से चिपक जाती है और उसके कपड़े उतारने में उसको 20 सेकंड भी नहीं लगते.. नंगी होकर सीधा होंठ चूसते हुए उसका लण्ड खड़ा करती है और मेरे सामने ही 'पूरा' मुँह में ले लेती है.. तब तक चूसती है.. जब तक आशीष पिचकारी ना मार दे।

मैंने पूछा- और तुम कहाँ रहती हो.. देखती रहती हो ये सब ? कुछ होता नहीं तुम्हें ?

रूचि- समर, वो बहुत हरामी लड़की है एक नंबर की चुदक्कड़ है.. उसे तो दो लण्ड चाहिए होते हैं.. उसकी चूत का भोसड़ा बन चुका है.. वो इतनी चुदी है सुबह कॉलेज गोल करके इससे चुदती है शाम को अपने मंगेतर से.. और हाँ.. वो मेरे सामने ही आशीष से चुदती है क्योंकि कमरा तो एक ही है ना.. और कई बार तो उसने मेरे मम्मे भी दबाए हैं.. अक्सर

अपनी चूत में लण्ड मेरी गोद में बैठ कर ही तो डलवाती है कुतिया.. मुझे ये सब पसंद नहीं.. लेकिन मैं कुछ ना कुछ काम करती रहती हूँ.. उन दोनों से बचने के लिए।

मैंने पूछा- सच कह रही हो.. इतनी चुदक्कड़ है तो ले जाऊँ इसे अपने कमरे पर और तुम्हें क्यों ले जाती है ये छिनाल.. तुमने कभी चुदाई की है ?

रूचि- हा हा..कितने कमीने हो तुम भी.. तुम्हें क्या लगता है.. ये चूचियाँ इतनी बड़ी कैसे हुई होंगी और रही बात मुझे ले जाने की.. तो इसलिए ताकि किसी को शक ना हो कि लड़कियाँ आ रही हैं तो पढ़ाई ही होगी और इसी बीच आशीष ने मुझे चोद भी दिया.. हालाँकि ऐसा एक ही बार हुआ था। वो बात अलग है कि मैं पहले भी अपने एक्स-व्वायफ्रेंड से जम कर चुदवाती रही हूँ.. आशीष तो जल्दी झड़ जाता है उसके साथ चुदाई में नो मजा...

मैं रूचि की बातें सुन कर शॉक में था कि साला ये मौका मुझे क्यों नहीं मिला.. लेकिन मैंने पूछा- तुम्हें वो कैसे यार.. तुम्हें तो वो पसंद ही नहीं था और तूने उससे चुदवा भी लिया।

रूचि- अरे सुन कमीने.. पूरी कहानी सुन पहले.. तू तो खुद साला खुद उस रंडी मेघा को चोद रहा है.. बता दूँ तेरी गर्लफ्रेंड को सब.. ? अब ये सब छोड़ कि मुझे कैसे पता लगा.. तेरी मेघा ने खुद बताया मुझे कि तू मस्त चोदता है.. यू नो गर्ल्सटॉक...

मेरे मन में तो आ रहा था कि साली रंडी मेघा की गांड पे डंडा रख कर पूरा रंडीपना निकाल दूँ.. लेकिन मैं बस हँस कर रह गया.. मेरी चोरी जो पकड़ी गई थी।

रूचि ने आगे बताना चालू किया।

एक दिन जब हम आशीष के घर पहुँचे तो बारिश की वजह से हमारे कपड़े भीग गए थे..

अंकिता तो है ही बेशरम पहुँचते ही सबसे पहले कपड़े उतार कर आशीष पर कूद गई और उसको चूमने लगी लेकिन उसको चूमते हुए भी आशीष की नजर मेरी चूचियों पर थीं.. जो मेरी गीली टी-शर्ट से साफ़-साफ़ दिख रही थीं।

मैं भी बैठे हुए ये नजारा देख रही थी कि आशीष ने कहा- तुम बाथरूम में जाकर कपड़े क्यों नहीं बदल लेती।

मुझे भी लगा कि इन लोगों को अकेला छोड़ देना चाहिए..

मैंने बाथरूम में जाकर अपने सारे कपड़े उतार दिए और पहनने के लिए देखा तो कुछ नहीं था.. सिवाय एक छोटी तौलिया के...

किसी तरह उस छोटी तौलिया में अपने बड़े मम्मे और चूत छुपा कर जब मैं बाहर आई तो देखा अंकिता आशीष का लण्ड बुरी तरह से लॉलीपॉप की तरह चूस रही है।

मेरी और आशीष की नजरें मिलीं.. मुझे लगभग नंगा देखकर उसका बदन काँपने लगा और जब तक मैं कुछ बोल पाती.. आशीष के लण्ड ने अंकिता के मुँह में और चूचियों पर पिचकारी छोड़ दी।

अंकिता ने इससे पहले कभी मेरे सामने तो वीर्यपान नहीं ही किया था.. शायद कभी नहीं पिया था.. इसलिए उसी वक़्त उसने आशीष को चांटा जड़ दिया और गाली देते हुए बाथरूम में खुद को साफ़ करने भाग गई।

मुझे हँसी आ गई लेकिन चांटा खाने बाद भी आशीष मुझे ही देखे जा रहा था और मैं उस मादरजात के सामने लगभग नंगी खड़ी हुई सकुचा रही थी।

आशीष मेरी तरफ बढ़ने लगा और मुझे समझ नहीं आ रहा था क्या करूँ..

मेरे करीब आते ही आशीष ने मुझे दबोच लिया और मैं कुछ कर पाती उससे पहले ही मेरे होंठों को अपने होंठों से सी दिया।

सच मानो समर मैं चाह कर भी नहीं छूट पाई और वो मेरे होंठ चूसता चला गया और पता

ही नहीं चला..

कब मैं उसके होंठ चूसने लगी और मेरा तौलिया नीचे गिर गया और जब तक मैंने उसे धक्का दिया.. मैं पूरी नंगी थी। उसके हाथ मेरे चूचों पर थे और मैं पीछे दीवार से सटी हुई थी।

अक्सर जब वो लोग चुदाई करते तो मेरी पीठ उनकी तरफ होती..

हेडफोन्स लगाकर मैं लैपटॉप पर मूवीज देखा करती और मेरा कुछ दिन पहले हुआ ब्रेकअप मेरे ऊपर बहुत असर डालता था..

इसलिए मैं अकेले रहना चाहती थी।

लेकिन आज उन दोनों को नंगा देख कर मेरे अरमान भी जग गए थे..

उस पर उसका चुम्बन करना और मदमस्त मौसम.. मेरी बेईमानी को हवा दे गए।

रूचि आगे बताती.. उससे पहले मेरा घर आ गया।

बाकी बातें कल करने का वादा लेकर.. मैं घर जाते हुए सोचने लगा कि वाक्यी में रूचि की मेरे संग बेबाकी हैरान करने वाली है वरना मैंने किसी लड़की को चूत.. चूचियाँ या लण्ड बोलते हुए इस तरह से नहीं सुना था।

वो भी जब.. जबकि मैं उसके इतने करीब नहीं हूँ।

लेकिन मुझे क्या.. मुझे तो अंकिता के पास होने से पहले उसकी चूत के साथ कबड्डी खेलनी थी।

आगे का प्लान करने के लिए रूचि को साथ करना जरूरी था।

आपके विचार आमंत्रित हैं.. इन्तजार रहेगा.. भेजिएगा जरूर।

